हमारा पहला स्कूल

➢ अपने परिवार का चित्र बनाओ। यदि फोटो है तो वह चिपकाओ।

उत्तर स्वयं करो।

➢ तुम्हारे परिवार में कौन-कौन हैं? उनका नाम और उनका तुमसे क्या रिश्ता है, लिखो।

नाम	तुमसे रिश्ता
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

उत्तर

नाम	तुमसे रिश्ता
लहरी सिंह	दादा
भंवर सिंह	पिता
गुरशरण सिंह	माता
मनप्रीत सिंह	भाई

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 26)

➢ अपने परिवार के दो लोगों में आपस का रिश्ता लिखो। जैसे–पति-पत्नी, भाई-बहन, माँ-बेटी...।

परिवार के दो लोगों के नाम		आपसी रिश्ता
.....	.....	.....
.....	.....	.....
.....	.....	.....

उत्तर

परिवार के दो लोगों के नाम	आपसी रिश्ता
संजीव, रेखा	पति-पत्नी
स्वर्णिम, शिवप्रकाश	पोता दादा
संजीव, स्वर्णिम	पिता-पुत्र

➢ यहाँ कुछ लोगों के चित्र बने हैं। इनमें दो लोग बिल्कुल एक जैसे दिखते हैं। इनका आपस में क्या रिश्ता हो सकता है?

(एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक, पृष्ठ संख्या 26 देखें)

उत्तर इन चित्रों में दो लड़कियाँ एक जैसी हैं। वे दोनों आपस में बहनें हैं।

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 27)

➢ तुम्हारी कौन-सी बात परिवार में किसी से मिलती-जुलती है। जैसे–तुम्हारी आवाज, तुम्हारी आँखें, तुम्हारे बाल, तुम्हारी चाल...? किससे और कैसे?

उत्तर लोग कहते हैं कि मेरी आवाज मेरे पिताजी से मिलती है। मेरी नाक मेरी माँ से मिलती है।

➢ तुम्हें घर में प्यार से किस नाम से बुलाते हैं? तुम अपने घर के लोगों को किस-किस तरह से बुलाते हो?

उत्तर मुझे घर में लोग प्यार से मोनू के नाम से बुलाते हैं। मैं अपनी माता को मम्मी और पिताजी को पापा कहकर बुलाता हूँ। मैं अपनी बहन को प्यार से 'टुल्लु' के नाम से बुलाता हूँ।

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 28)

➢ क्या तुम्हारा परिवार भी मिलकर कोई काम-धंधा करता है? यदि 'हाँ' तो क्या?

उत्तर हाँ, मेरे परिवार के अधिकतर सदस्य वकील हैं।

➢ इस काम में तुम क्या मदद करते हो?

उत्तर नहीं, मैं अभी इस काम के योग्य नहीं हूँ। लेकिन बड़ा होकर मैं भी वकील बनना चाहता हूँ।

➢ तुमने भी अपने परिवार से बहुत कुछ सीखा है। क्या और किससे? क्या किसी ने तुमसे भी कुछ सीखा है?

उत्तर मैंने अपने परिवार से सामाजिक शिष्टाचार सीखा है। मेरी माँ ने मुझसे कम्प्यूटर चलाना सीखा है।

सोचो और लिखो

- जब मैं दुःखी होती हूँ, तब मैं माँ के पास जाती हूँ।
- जब मैं पुराने दिनों के बारे में जानना चाहती हूँ, तब मैं दादाजी के पास जाती हूँ।
- जब मैं अपनी कुछ राज की बात बताना चाहती हूँ, तब मैं पिताजी के पास जाती हूँ।
- जब मुझसे कोई गलती हो जाती है तो मैं बहन के पास जाती हूँ।

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 29)

➢ क्या तुम्हारे परिवार के अपने कुछ रिवाज हैं? कौन-कौन से?

उत्तर हाँ, हमारे परिवार के प्रत्येक सदस्य भोजन से पहले भगवान की प्रार्थना करते हैं।

➢ क्या तुम्हारे परिवार में किसी की कोई खास आदत हैं, जैसे—जोर से हँसना, खुश होने पर गाना आदि। उनकी तरह करके दिखाओ।

उत्तर हाँ, मेरे पिताजी स्नान करते समय गाना गुनगुनाते हैं।

➢ तुम अपने परिवार में बड़ों की इज्जत कैसे करते हो? अपने आस-पास देखो लोग क्या-क्या तरीके अपनाते हैं।

उत्तर जब हमारे बड़े-बुजुर्ग रिश्तेदार हमारे घर आते हैं; हमलोग आदर से उनके पाँव छूते हैं। मैं हमेशा अपने माता-पिता से आदर से बात करता हूँ।

बड़े जब बच्चे थे

➢ घर के किसी बड़े को उनके बचपन का कोई मजेदार किस्सा बताने को कहो।

उत्तर तुम अपने दादा-दादी या नाना-नानी या माता-पिता से इस तरह के किस्सों के बारे में पूछ सकते हो।